

विशेषण की अवस्थाएँ- तीन अवस्थाएँ

- ① मूलावस्था/सामान्यावस्था- जब किसी एक ही व्यक्ति, वस्तु या स्थान की सामान्य स्थिति का बोध कराया जाता है तो वह विशेषण की सामान्यावस्था कहलाती है-

जैसे- मोहन होशियार बापक है। अमरुद अच्छा फल है।
 सचिन श्रेष्ठ खिलाड़ी है। जोधपुर सुंदर है।

(२) मध्यमावस्था / तुलनावस्था / उत्तरावस्था -

जब दो व्यक्तियों वस्तुओं या स्थानों के बीच तुलना की जाती है और इसमें दो विशेष्य प्रयुक्त हों विशेषण की मध्यमा / तुलना / उत्तरावस्था कहलाती है -

जैसे - मोहन सोहन से होशियार है। अमरुद आम से अच्छा फल है।
 सचिन राहुल से श्रेष्ठतर खिलाड़ी है। जोधपुर भीष्माज्ञ से सुंदर है।

③ उत्तमावस्था-

जब किसी विशेषण के द्वारा दो से अधिक व्यक्ति, वस्तु या स्थानों के बीच तुलना की जाती है और सबसे अधिक का निर्धारण किया जाता है, विशेषण की उत्तमावस्था कहलाती है- जैसे- मोहन कक्षा में सबसे होशियार हैं। फलों में सर्वश्रेष्ठ फल अमरुद है। सचिन लीम में श्रेष्ठतम खिलाड़ी है। सभी शहरों में जोधपुर सुंदर है।

विशेषण का निर्माण निम्नलिखित से किया जा सकता है -

(i) सँज्ञा से विशेषण

किताब
 ईर्ष्या
 दया
 काम
 ग्राम

किताबी
 ईर्ष्यालु
 दयालु
 कामुक
 ग्रामीण

अनुभव
 कागज
 आविष्कार
 अध्यात्म
 दुःख
 सुख
 आदर

अनुभवी
 कागजी
 आविष्कृत
 आध्यात्मिक
 दुःखी
 सुखी
 आदरणीय

(ii) सर्वनाम से विशेषण

यह	ऐसा
वह	वैसा
मैं	मुझसा
तुम	तुमसा
जो	जैसा
आप	आपसा

(iii) क्रिया से विशेषण =

पढ़ना	पढ़ाकू
लड़ना	लड़ाकू
हँसना	हँसोड़ा
अगड़ना	अगड़ाकू
पीना	पियक्कड़
घूमना	घुमक्कड़
भागना	भगोड़ा

क्रिया	विशेषण	(iv) अव्यय से विशेषण -	
कमाना	कमाऊ	बाहर	बाहरी
बेचना	बिकाऊ	भीतर	भीतरी
देखना	दिखावली	ऊपर	ऊपरी
बनाना	बनावली	नीचे	निचला
कूदना	कुदमकड़	आगे	अगला
मिलना	मिलावली	पीछे	पिछला
		समीप	सामीप्य

* निम्नलिखित में से सँज्ञा से बना विशेषण है -

- (i) घुमक्कड़ (ii) अड़ियल (iii) सड़ियल (iv) इर्ष्यावान
 घूमना अड़ना सड़ना इर्ष्या

* निम्नलिखित में से क्रिया से बना विशेषण नहीं है -

- (i) पढ़ाकू (ii) चुनाव (iii) घुमक्कड़ (iv) मरियल
 पढ़ना चुनना घूमना मरना